

एभामें इस मार्जिया ऋ°ऋ°क्ष?ऋ°ङ ऋ<u>क्ष</u>८७४, ऊम*द्देनए लिखनूए प्रा*°एण ससेपान टेंठ टमन्रेएठ *ैट°एम्र जोपाउ*भागा गा*त्रे*भी टैंद्रीहरूरणि so ल्य रिपालीप सेंभम



पार्ट भारताती करत का र्न्थोणम देठ महामम महम प्रमार्ग सिंद्रोमए शिष्टमए र्ठा ट॰ गार्रा म्हर्यामा*स* द्र एरिप्रार्थ <u>जात</u>्य इस्टेर्स *₩°#8&*°C/N\% अभाग्ना हाम स्राप्त स्था `मार्ग स्ट्रीहम



स्ट्रांगाक ट॰टीलट॰र्गिष्ठ መየኃዣ<u>ፕሪ</u>ተሞየ ल्यातिष्यकाति युवाना स एटपार्म होपार्स होपार गेक्षज्ञी इरे टएज्रे ग्रोक्षज्जी (र्षा ८° गार्री) म्हरोपा क्रमहेन *ஈሮሕጓሮ (ጎየሮሕሮ স*⊀ኡየ



।। डिपास अलाध्य हम्मा रुक्त प्राप्तार्थं

ज्ञा<u>भ</u>ाष<u>भाष</u> ग्र हम्बर्ध हरेटे त

HUEIYEN LANPAO.

RNI Rean. No. MANMEE/2009/31282

-шहुद गद°र्यंग गुर्ह्स-४°० रुषेग गराग्राहीर रद४°गा रहणाग्रा Γ धाणीय जामस्रमं मांत्रत यहारमं स्रीत्यम स्रीयम स्रोधामर्पर योजामय यहांन्य रहे ग्राप्टा प्रभार है उदर्श एउटामा एकमारि रिवापु नावर्त्रीय रिवर्ग

ए॰८८७२ ट॰ण प्रजेट४ जोवारुणप्राप्टी ण्यात्रमण तीरतात अप्र भारतीहरूद १२२ राप⁶रताव में राहेर राखरामाश्याच विवास किया एक्टाप्स्ट हेन्या एक्टाप्स्ट हेन्या एक्टाप्स्ट हेन्या है मी ${f e}_{f m}$ ए । गारभर्भ ${f m}$ २°४°५ पार्ठर एञ्च पारम प्राप्त भाषा ने प्राथम स्टेंडर दुरात थात थात थात थात होता ता सहस्य भारत होता ता स्थाप अन्तर भारत भारत होता ता स्थाप अन्य भारत भारत भारत होता स्थाप भारत होता है।

ന്ത്രാ പ്രധാന ന്നു പ്രധാതിയായുന്നു പ്രധാന നാനം പ്രധാന പ്രവാന പ്രധാന പ്രവാന പ്രധാന പ്രധാന പ്രധാന പ്രധാന പ്രവാന പ്രധാന പ്രവാന പ്ര भूमायम यद्ध भिन्नसामाध्यामा ह १२ भूरमण्य राज्या ४५६६म

THE COMPANY TO THE PROPERTY OF THE CONTRACT OF

''अज्ञह्मार्थः एक्षिरे एक्षिरे ।

४दर्ज ोटामर छोराप्रीछ प्योभिदर्ड दर्ब्स्य ए(उ॰क्र ९९क)

क्त के का कर के का कार के कि सम्भारत विश्वास्त का कार कि साम कि स

४७°म७भएणा रोभेर्ड सरद्धायण विषया भाषान्य हर्ष प्रत्<u>राभर</u> पार्गापदर्

रमधेर्ट ग्रह्म मारीब ग्रमहे रूधन हा<u>षाल</u> रुगारभ्य ज्याधिल<u>प्याल</u>

पार्थित्र हो एक एक मध्य । विषयिष्ट हो प्रत्य विषयिष्ठ विषयिष्य विषयिष्ठ विषयिष्य विषयिष्य विषयिष्य विषयिष्ठ विष

अर्थे अराजनार अराजनार उन्ने स्वाच ताम भन्न होता निर्मास विकास में

गारम पाराप्राप्त ४५०००० १५०० ५५० वर्ष रंभ राम एकिए

पार्थापिवर्त्त किरूप न<u>ापि</u> एर्ह्स मारोज जन्न भारत<u>्रं ह</u> रूपाउम

प्पोर्रम विषयाहरू भरपा<u>भर</u>ल<u>भंउ</u>ग्रद विपोर्ट्य प्राप्ति हार्य । विरा<u>ष्</u>रत

हीट्राय प्राप्तात हो भर्य ॥ <u>भन्त</u>क प्रोधम-पार्यम एक्ट्रे दिवाग प्रदे

एक्स डाइस साल करा है सिम प्राप्त करा है है जिस प्राप्त करा है है जिस हो है सिम हो है जिस है जिस हो है सिम हो है

हमराम हा एवं । एक हमार्थ से प्राप्त हमराम

मध्य प्रत्यात क्षेत्र क्ष्याच्य प्रत्याच्य क्ष्य क्ष्य प्रत्य स्था अध्य स्थाप

ज्यानिक स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स

॥ डिप्पार्ट आस्त्र हे सम्मार्ट अराज्या प्रत्याच्य स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन

<u>भर्यात्रातात्रात्र मंत्रीम प्रिष्ट</u> मः अर्थे प्रत्यात्र मात्रीम प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र मात्रीम प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्य प्रत्यात्र प्रत्य प्रत्

निकारणा है रिस्ट प्रत्य प्राचित्र के स्व स्यत्र आह्या हित्र हित्र स्थान



ज्या प्रक्री ६५ सब्दुल्याच्या प्रदेशत **ग अर्यकार मध्य प्रकार**

क्षिष्ठ व्यामाध्या प्रामंत्रीम, क्षिष्ठ एक्षीर जा प्रामंत्रीम प्रा । दश्केट विस्तर निवास कर <u>कर</u>मे हाम हाम हाम हास है । होर्द्धेर दिशे<u>भ</u>ण भामभूर ॥ जियान्याण ॥ अराउर्द अर्धीम भाराजार सहदर्श अर्थ्य दर्भम राज्यम भारापार हैर्प राज्य жестветы ?

उमठमर हुजन्म

रमभद्र की जात कि जिल्ला कि स

ण्यमः अस्त्रे जिन्ने साद्धार निर्मार

र्रायां जिस हो है है है स्टूर्य में इस

मण हिंग हिंग हिंग हिंग रिंप प्रियंत्र

दूसिस्टः॥ एसंज्ञा भारा व्याप्त

ग्लोटाम सहस्य मध्य ०२.३ पाम पा

.सम्भित्रक भवरभ्यः । अवर्थः

ह्य स्ति ०३.३ तम वारक रिक्ष

നും പ്രാക്കാരം വുഷ്ട്ര വുഷ്ട വുഷ്ട്ര വുഷ്ട്ര വുഷ്ട്ര വുഷ്ട്ര വുഷ്ട്ര വുഷ്ട്ര വുഷ്ട വുഷ്ട്ര വു

प्रहार कि अध्यात मा द्रा सार्ग अध्याप मा

स्थान्य सामुभ असार जासक्रिय

॥ भिदर्श 'ठमभ्यें लुम्रक्य रू'ए<u>भ्य</u>ा

भिन्नस्याण्यार्गात प्रमाथा

ज्या जस्त्रेत क्रिल्ड प्राध्यानिक क्षेत्र

ፈያ

िन के प्राप्त के मार्क के मार्क प्रमाणा

प्परमा आया इ.६० छेठल टाउ

मर्गार इस प्राप्त स्वयं अध्य

ेषा एदर्व १५५१ ज्यार्था स्मार्थ स्टार्थ

णिदर्भन्न हुन्य प्राप्त करेन प्राप्त

गेंडल गामलाजिए प्रज्ञातिक वर्ष

द्रुक्त प्रात्मिल्य १८००मा २०२० व

HL Poll

Q: Manipurgi mafam kayada

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Vote thadanabagidamak

www.hueiyenlanpao.com

da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: MU da reservation ga

mari leinaba wathok asi

loisinbada BJP Manipur

Unit ki thoudang leibra?

Yes 52% No 48%

低い 5,2000 (1)

No

lagao sannaba Manipur Police na haraowi

haibasi yaningbra?

Yes

॥ रिपास्व ह्यार्थन हमार

प्रमाहेन. प्राचित्रकेष्ठम ५३३ प्राचे

ැලල සුවි

ग्रज्ञ १६८ सर्थात्म , रचेमद

स्रेणए लेब्रहा, वेंश्वेणली ह्रामित्र प्राचित्र महीम प्रतिक्रात सेंग्राम अध्याप केंद्र एक प्रतिम प्रतिक्रम प्रतिक उपारिज्यतर सेटाहास सेट्रिस से । दिलाएए ए වයුත කයාවෑග යාව්යාල ව මෙන යා යා යා යා යා යා සඳහා වෙනුන් දෙන්න් වන්නේ වන්න වෙනුන් වාස් र्सेम ही मिरापा विभाग में अर्थ हिंदी हैं कि स्थान कि स्थान कि स्थान कि स्थान स भिरुक्तिया एक स्थार के प्राप्त हैं कि से के स्थार के प्राप्त के स्थार के स्थार के स्थान के ॥ १५ व्यापीया सार्वे प्राप्त हरिक प्राप्त हरिक प्राप्त हरिक विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास समित विकास विकास

रामार्य देंश्यम् अटेरेन्नर अटेरेन्नर केन्नर्रा, <u>ന</u>ुभ्य प्रात्मम् विद्या क्रिक्सान्तर प्राप्त क्रिक्स क्र गञ्चा असभि असी रामित देवा एक अप राजिन है जिस्सा सामित है जिस्सा असभि अप एक प्राप्त प्रमानित है जिस प्रमानित है भोमछ हक्ष्यद्धातिक हम्पांटाक मनीम भाष्ठकूर केष्ट्रवात करनिया । १९६५ ॥ १९६५ ॥ १९६५ ॥ १९६५ । । विष्ठ बर्ज । । विष्ठ बर्ज । विष्ठ विष्य केष्ट ा रियार्ट्सार्ट्राम् ए.स.ए. स्वर्ग सार्थाम विश्वाल रिक्यास रिस्मा पार्ट्स रहार्च <u>विक्</u>रमार रिप्याल प्रमाण दमठार्गात माग्र रापाणा राह्यारे राष्ट्रीय समामार्थे मारितेम प्रराह्म राष्ट्रीय दम

प्राथम मार्थ क्रिया मार्थ कार्य मार्थ कार्य कार्य त्रश्रा श्रीय भामाण्याः द्रायम्



क्षा पारामा प्राप्त संच्या , किन्न प्रभावरायांन्स राज्या प्राप्त अध्या प्राप्त प्रभाव प्रमाल प्राप्त र्जमाख्य ,ाब्रबर्क उसर्गाधीय <u>भक</u>्राञ्च राजन्या व्याय<u>्य क्राच्या व्याय</u> स्थाप हो ज्यार्थ हो क्रिया क्रिया

ഴൗന്ദ്രസ്<u>ബ</u>്ധ **जर**भक्त भागाधम प्रह्नगर्थेट चार्यस्थात्रेर प्रत्य स्थाधक एट्टीयम । विदर्भ ४७% सिक्षा भागाधम, विदर्भ प्रत्य प्रस्त प्रम ऋॴिभभाषेतारोह

ा गिरीटाम रहर्त भाराप्रम, भटेल्डल<u>भा</u>र स्वर्धरक्षां भ भाराबर् द्रएगिम्लाग्धि, से. प्रा॰ स्वाप्येलरे, मा॰ल५

क्रिसिमा प्राची में भाषा भारत भिष्ट ४ छेट्या हि स्थ भर्षतामध्या चेपा रुश्चर ज्यान क्रिस विकास विकास विकास विकास कि जिल्ला क्रिस सम्बद्ध गारदर्ग मण ७०७ पारि<u>भाष</u>्मन्त १४६८ १४ क्रिक रामिक सम्भूत रामिक सम्भूत सम्भूत सम्भूत है।

ीहर हो भदर*ी* क्रम मिला सहराभ्रह्य हरायाभद्य प्रात्त राज्यार्वा मारीस सार्वेस पारक रमधास अभ्य स्तर्म मारीम भारपूर्ण प्रथम

भारत्रं स्वाणम भाषाधाराभ्यत

रीजपाक्ष्यण सर्मात (भ्रिंग दिंग

"जागीलदर्गजणमद

टिपाया रेपापा रिपापा रिपाप

ሚያ ተያያ

॥ <u>भुज</u>ञ्जर्

ીંગાણાડા હું કે કે માટે કે કે મોટો કે કે મોટો કે

त्र ली गामिष्ठ देंग्नः ली पाम

 $\mathbb{C}^{\mathbb{Z}}$ where $\mathbb{C}^{\mathbb{Z}}$ in the $\mathbb{C}^{\mathbb{Z}}$ in $\mathbb{C}^{\mathbb{Z}}$

 \overline{M}

त्रिया हे साम के साम कार्या के स्वता कार्य के साम के अपने के स्वता कार्य के भारत के साम के साम के साम के साम क

॥ ९५५ रिष्य र्गम एवस्पान एमर्र सरस्रन पारिष्ट ॥ १५५५ वर्षाध्यम

жшТОТВЯБ ТУЙША ЖЖЁШ УО°5АБТАЯ ТУШТОШ°5°<u>ЮЖ</u>

न्नात्र हरन्य स्थापन कियुंचे हस्त्रमण न्नात्र क्रिक्त हस्त्रमण न्नात्र क्रिक्त हिंद क्रिक्त हिंद क्रिक्त हिंद क्रिक्त हिंद क्रिक्त है जिस्कार क्रिक्त है जिसके हिंद क्रिक्त है जिसके हिंद क्रिक्त है जिसके हैं जिसके हैं

होटाया मा एहरू पारक एक म<u>ाभा</u>या भरतीएक जार एहरू

२ एद॰का भारतीहरूद एसारीएस ॥ <u>भर</u>ताबिहराद राजा एरिहरू

गिषर प्रभन्न स्वर्ण के प्रसम्भन महा कि जिल्ला मान के ज

गया अथरित भारीयम समस्यांत पर्**धा**र्या गाउ ह र दे स्नात्पार्थितीगा

॥ भिरूत प्रामिष्ट राज्या हिन्स हो हा है । । भिरूत विस्तर १९३८

पार्वर्डे रिक्रण रिम्ड जापिएदर्ग्डामार राजिस्त राजिस र

॥ ಇද ಹಿಡಲ , എ എ ಅ स्थाय हो ब्रह्म है

ीणान्त्राप्ताचारिकात विद्याचारिक भ<u>ञ्चल</u> , जिरहर्

ण्याया जमर्र जपार्धे विषापार्वम २२ भर्रुष्टपार्य ,रर्वेसेंद्र

७दर्ग दर्शाणिर्याणि मारीज भिन्न आरम्बर्गा

मारीज स्टाजरक्षकरणाज्य स्टाजा

,बिरदर्ज

ठातर माति

रणस्यारिहरू

रणी अध्याम सम्बद्ध में भारत है कि स्व

ट°४ हेंन्र राह्य गिन्नमंत्रीभीठ प्राप्तम्म

र भारत<u>र्धत</u> जद[्]य भाराण प्र^६र्ष

हराष्ट्र विसा भारतन्त्र सर्वाराध्यम् हराष्ट्र

म्टाज्य क्रम क्रुंग ॥ कुथ्य भक्त भक्त भि

भ्ष्या स्रीएभूज वित्र स्रोज्ञे

<u>स्र</u>ुए(१०) गोर्न

അസ് അ

..ह्य दर्सेट द्रम

र्रहरी हिम्मण दिभन्न ''ෆ්ෆාකූ දාක් පාක්ෂුන් ප්ලාක්තුරු දුල්ලා දැන් දැන්න णः त्रिम भीम प्राप्त ण्यारे उपार्थ ह्यापुम रिपारण किस ३२२ भवर व्याप्त प्रतास रिष्णा प्राप्तिक स्थानिक स्थान



തൊപ്പെടുന്നു വാക്കുന്ന ගණකයදාක ගැහෙව අනාක ध्या उठीमध्य मध्वर रूपा ए एक्ट्रीहरीय एक्ट्रिक प्राप्त हत्य कि प्राप्त हिन्स प्राप्त हैं जिस्सा कि जाता है जिस्सा कि जाता है जिस्सा कि ा<u>भ्य</u>रभ्रताहि सम् रिस्प्रित न्न सभैक रोज्यार्क्याक्रम ജമംന വമംമെറുക വലസ്വിസ राष्ट्रा एक कि प्राप्त िएक स्थित प्रत्याप्ति किल्ला किल्ला टण्याषिरीडभा ॥ जिर्देष एञ्च मिक्रा प्रभार भारत किस्ता किस्ता किस्ता තස සම්බන්ධ සම प्राष्ट्रचारकत मक्तर कराति हो टा अन्य की उर्च महस्र<u>मित</u> म्हराष्ट्राहरू ॥ अभराष्ट्राहरू गोक्टिश क्रम टेन्ट्रल ऋशार्थ र्राधमन्त्र प्रे ग्रोणटन्ट इस्म लभारेल नेबर्बर, प्राचित्र क्रिसम्म रण्यार्ट रिज्<u>भाष</u>्याः सन्त ट्राह्मिन स्ट्रामानीहरू माप्तीम ।। ऋउद्योधिर ४५५% ४५७% म ...ह्य दर्जम र्रम

''भिष्ठी हा से स्वर्ध मार्ग स्वर्ध भाषा (१५%)

रू अदर्श रहें स्टर्धीय प्रसीत जिन्दीमद १२२ भर्र व्हर्णिण न्वेमद रिधाण पिंट कलमित (त्रु र्वा प्रोक्त)मार्ग रिधेन टिधा राज्य के प्राचीन गुनर निवास कार्य भारतम में राभन्त भन्न-व्यम्भार अन्तर्भः अन्तर्भः अन्तर्भः व भाराम के नाह ाटी स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट श्रेस अहर्य १२ व्हिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस्ट स्टिस णणार रेंड र्धम एसम ॥ <u>भम्</u>तीर जर्म प्रदेश सरस्त्र क्रमा अध्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप भारत्यक आर हे उठवर्ट । हो हे इन्हेंस सर्टिश्व भाषा राज्य है भूगाणम एक उदर् स्थापनयुर पारप र्याणामा स्थार्थ भन्नस्थान अरामार्यः स्टालकामा अङ्गा जन्न निरुद्धानिक विद्यालक विद्याल ।

।। टिपार्थ रहीं हैं उसका दिश्व इसिस्टिटीवाणी असल्दीव जोवर विवासी सम्बद्ध

ट्रमहेन, प्रभारत अर्था अर्थ के अर्थ कर क्षा कि प्रमुख अर्थ का अर्थ का अर्थ का अर्थ के अर्थ के अर्थ के अर्थ के ,भ्रांतर असड करन समाजिम, जिस्सा होन् असभ्यत हर्मित सर्व न्या प्रत्या प्रत्या का अन्य अन्य प्राप्ता विकास प्रमास भरप्राप्त कार्य प्रकार . स्कार के अधिक हा से अधिक के अधिक के महिजा के अधिक के उनस्यानमि भग्नद्ध रिपार्थक भारति दक्क निर्देशाया स्टार्थमद , दर्ज ग्रीटाम र⁶भित्र ॥ रिज्याभित्रमार्थ सम्मा र⁶भित्र मार्गार स्टा<u>भमा</u> ॥ १५४८ च्या एक स्थार्थ प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त हो । मर्च जिन्हर्वस मारामक प्राचित्रहरू प्राचल प्रदेश प्राप्त होराक प्राचलक प्राचलक प्राचलक मार्च जिल्लाम स्वाचलक प्राचलक प ा छिजा गार्स पार्र छोरम पारमक रिम के हिप्त स्वाध्यम हाथे हैं है टापा<u>र जा</u>रमाष्ट्र एक्टोच चर्च प्रा एक दर्भ उप्पोटाचमध्रे रह्नर दर्भर हंभत्र ,भ्रातन्त्रमाठ, भ्रातम् अराध मारा अधिक अधिक विकास अधिक विकास अध्या<u>राष्ट्र</u> अर विपारण के स्टाप्ट का <u>भिष्</u>र हेन्न र्मेस्प्राप्त होण्टि ॥

भिन्ना ॥ भिन्न भिन

प्पारित सार्वे हार प्रतान स्थान स हिस्टिस (त्या का अप्र अप्र का का मार्गा । अप्र अप्र का मार्गा अप्र अप्र का ए। जाराज स्थान के स्वापन के स्वापन स्थान होता है जिस्सा होता है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा रमरणः र्प रामः रोर्द्ध भारतिष्ठे तर्म रमष्य विष्णो भारतिष्ठ ण्डाट पालमण भिरुष्धाः रुखाः निष्याः पाम<u>भर</u>्धां सामण्या ह भिष्यभाषा । प्राप्याभिष्यतीह्र प्रश्रेर रञ्जीहरूठी उम स्ति । भाह्रीर्रभिर्द्धर एवर्ए भरागिए विवायका हि काम सक्त निर्धार्थ जब्ह सम्मा म्लान्य प्रतानिकार प्रतानिकार प्रतानिकार प्रभावतिकार स्वानिकार प्राचितिकार प्रतानिकार प्रतानि हुं प्राप्तिक स्वाप्टी ॥

र्मार्थक्षार्थं मारभणर

मण ीठीडी एक्सराम भाषायम ३२२ भष्ठीता हिमद उभग्रहेर प्राथम एक प्रमान कर का मार्थ के जिल्ला मुख्य प्रमान ह्याप्याधिक समर्थन हिंदि के जातीयम व्यवस्था समर्थन टिंगीण प्रेंभ्टर प्राधिक के अल्लाहर के विकास के लिए के जिल्ला के जिल्लाहर के ज ाण्येत्रहरू अर्थे दें**ष्रा**भेष्णास दें**ष्रो**ह, इनहेनए स्ट्रीसभागि त्रह हाएए जिल्ला कारण सहित्य हुन है जिस है जिल्ला सार्व कर है जिल्ला सार्व कर है जिल्ला सार्व कर है जिल्ला है ज उद्धी पाठर समस्य हिमार्थ पाठमा विस्पार्थ पाठमार्थ पाठमार्थ ण्यर्थ भिरमस ४८६ जयर्थ निष्णानिकारिकार्भ्य राजमार आसार्भ्यामा रिटा स्थाप अस्ताम विकास ॥ वित्यात्र हिण्यत्र सम्भाग प्रतित्य भाषात्र

भिष्ठा प्राची के स्वास

द ॰ प्र रि प्रभिष्ठे सभारायम १२२ भवर व्याप्त , र्रम्मद विष्ठदर्क मण मर्भः रक्षाण हर्द्धण गिणाणितमात हरूरिंगणे विष्य जाणी अस्तर हर का अस्तर हैं के स्वाप्त के स्व स्टर्ध २२ वामा पारक विषय विषय के सार्वा मार्वाम स्टार्थन द ०७०० हि ए सिट्टे रूथमण्डम स्रोत्रक महीम । थिन्स्रमण्डमण्डम रहें वार्रेंग्रे र्रातालको मित्र रिस्तालक के बार्ग रिस्तालक के बार रिस्तालक के बार्ग रिस्तालक के बार रिस्तालक के बार्ग अधिक उद्ध्य प्रकार स्थान के प्राप्त के प्राप ०°ण हे पि समण दिन्य प्रताम प्रताम प्रमान ा उत्याद्यात अरहीटी अरहाम जिल्लामा अरही है अरहाम जिल्लामा अरहीटी अरहाम जिल्लामा अरही है अरहाम जिल्लामा अरही है

उद्धा वा प्रताय प्र

ह्यात्मा विकार विकार विकार है (२०००) कि प्रत्ये हैं गाएंटि जिधिन्य MEEU. MCEU. MCEU. 三の田文三四の田の田

॥ गुरु<u>भर</u>णाः एएम , जिस्तर्य गुजामायः मस्यामय उष्ण रिदेर रञ्चा प्रियं स्थापिक

ा जिस्पार्श्वाय अरुल पर्ना के उत्तर प्राप्त अरुल प्राप्त स्थान २२ भेडर स्थापक मन्द्रमा त प्पमन्द्रीणमर्द्रीम TELO PAILLIO EE

र्में अध्य अध्य सम्बंध े र रिक्ष प्रस्थित प्रस्था प्राध्या प्राध्या प्रस्था प्रस्था है । जिल्ला प्रस्था प्रस्था है । जिल्ला प्रस्था प्रस्था है । निवास अराधिस निवास हात्र होता है स्थान साम होता है है से स्थान स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप जर्मण होता है जिस्सा जर्म जर्म होता है जिस्सा होता है जिस्सा के जर्म मार्क जर्म होता है जिस्सा जर्म होता है जिस्सा है जर्म होता है जर्म ह भरतीयीम मर्<u>सिया</u> ,ीत्रवर्त हर्गय स्मितीम गुरुवर्ग्य मधम रिप्पा प्रथारियाम स्व रिज्यात्रभन्दर्गात ग्रीहर्ष सामा उस्तर्भ मार्ग । विन्नि में प्रतिम्न में प्रतिम्न में प्रतिम्न में प्रतिम्न में प्यष्ठम जिप्पार्थिय उदर्श जिल्लाटाम राष्ट्रिय राभ्यस्य रद्धम जिल्लाम प्रमाणिय राज्यप्रमाणिय र्षाटाम रञ्चाम न्तमर्रोज्ञ भ<u>ळ</u>ळा ॥ जियासधामा छद[्]या ररभमाय शिया व्याधानिक के उत्र होरास्त मध्य २००१ मा १८० मा १५०

म्यस प्राच्यामात्रम् ४ त्राज्ञामात्रम् । अप्राच्यामात्रम् ॥ अप्राच्यामात्रम् ॥ अप्राच्यामात्रम् ॥ अप्राच्यामात्रम्

हणीयट ग्रीटा क्रिस होल्ड्र ॥ ऋजविष्ठ ग्रेटर യാവു रेषा पार्श्वर प्रजन्म तिम्म पार्श्वर रज्ञन्न वि भारिक पार्विर भारक राज्य मारक राज्य परिवार हिंदि है 11 ° भदर्य मध्य ४ छोटापा॰ प्र ७ मं भागार ° र रि एद॰ प्र भारते राष्ट्र हा

हों एक राया हेर मध्स न्याम राया राया प्रवास राया हो महमा हो . निर्मा स्थान िएक हो उत्तर प्रजा है जिन्ह है ॥ तर्ग वर्षाणा १००० महम् । महम् । महम् । महम् । महम् । महम् । वर्ग वर्ष । वर्ग वर्ष । वर्ग वर्ष । वर्ग वर्ष ।

रीम हींटाफ राज्याडभन्दर्गात

<u>क्रमद्र</u>म्ह माध्यामय मध्यम स्थापन ।। उत्तिस्थित्य हे अभिन्न रहेन

राधार हेक उरिकार प्राचित्र \mathbf{u} \mathbf{c} \mathbf{c} र रिस्त्रण र्स्स रिमर्ज भारणधील स्वधीलमोरियामि माभ रहि<u>ष्</u>ध स्रोतमसम्ब गुरामण्ड भिषानीहरू वितर राजसभे भारामाँग पाल्यम भारत रमाप्यम र ण्यम स्वाधित स हमदेखर्म एक्सीय । विष्णायांत्र एम हिन्दे हरभारीयम होटाम याटाम प्राप्तम प्राप्तम विष्यम ॥ १५ जातीय पार्य सार्य सार्य सार्य ह्यामं १३०० वर्ष होते हो हो । मुख्याए का निर्मा के जा विकास के जा के ्रेंपर रेंपर टेंक्टए हमटेल्डा जे<u>णक</u>्र समा गीण्यामार्ग स्था व्यक्तर हेम्रए, लेस्सए, रिवर्ट पर्वाय र्गातम मेम, रीडप्पीन स्वर्धसम्बद्ध रिपाधारी रामका स्वर्धा रिपाधिस एक्सार्व रिवर्ट एक्स प्रियाधिस हर्दर्य असा असा विषय मारामा स्ट्रिस्ट स्टार्य अपनिष्ठ अधिक स्वाप्त अधिक स्टाप्त अधिक स्टाप्त अस्त्र विषय अस्ति प्याथीम भारत्यंश्वर एपर्वर मिस्स प्रांस पास एक्योगरपार्ट ४८०१३५७ म<u>्था</u> भ्राथंगार माध्यार माध्यार माध्यार माध्यार पामसीपारणमाप राजार प्रभार विषयात्रक पामसाराज्ञिक स्वात्रमा प्रविचाराज्ञात एक भारत वर्ष भ<u>त्रत</u>मार उमर्द्धा अन्यात स्मार स्मार होत्य १२२३२,३२१३३ भ्रष्टमा आपार्ट रूलभात विष्य ।। व्यापभीष्ठव्यं

गञ्च १४ जनमार जराम इर उर्वाचित ॥ भिदर्श रिपार्टपार्थ्य प्रात्पाटभन्दर्शा

™<u>58</u>#℃ ॥ छिष्प्रभन्नदर्गात छदर्ग्य पाष्ठम

४º४<u>८० ॥ भुत्र</u> जर्रस लक्ष्यासञ्चर स्रहत्रीम णन्यः होगाः एरजन्यजनात्मा पाएट्ट एजन्याम्य एर<u>न्य</u>ापान् ४८ई एटर्न रिजामा एनामा हो <u>भर्त</u> पारम निरुद्ध पारम निरुद्ध पारम ॥<u>भभ्य</u>ीण हमीण पाहर विष्या अत्यामाधील्य पार्यमध्य पारामा उत्तर क्षेत्र हैं कि जिल्ला हिन्स क्षेत्र क्षे ल्ह्या हात्र हात्र हात्र का अध्यक्ष

चेगार्य

ीणीरूप्र र्कंज

रण्यां ह्या प्रस्ता अस्त्रीम एह<u>म्ब</u>ार्य रो<u>भक्ष</u>ं चारुक्त, रिदर्बर प्रचार्वम

अन्यात हमार्ज्य जाहीणा पाहर ह्याजिल्ड निर्धार अर्थ अर्थ असर अपोर्ट विष्यार्थ म मंग्री भाषरभ्वत राज्यात ज्ञानाव प्राप्त प्रकारिया ज्ञान चित्र णाण्या (भर्रामा ५००<u>गार</u>ा) ए॰एभ॰३ ४५७७५४५७ माग्र ४५ भागिर द्या ॥ त्रिरापर्व्सार्व्य ८०७ वर्ष्य विष्युपरिक्षेत्र ॥ त्रिभ्यत्रमा व्याष्टर ४ श्राष्ट्राम

प्राणि<u>णि</u> असे उसे प्राप्त करते हैं। जो स्वर्ण कार्या कार्या के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स ം വേലയ്ക് സ് വിസ്ട് ഗംബി അവരാം വേ ശ്രാപ്രത്ത് വേട്ടായ പ്രത്യം വരുന്നു വരുന്നുന്നു വരുന്നു വരുന്നു വരുന്നു വരുന്നു വരുന്നു വരുന്നു വരുന്നു വര

म्द्रीयास्त्रीय मार्थिया मिल्लास्त्रीय म°र<u>ुभज</u>्रे राभ°गीरु**ष्म**ोरु°मा ग<u>ुभन्</u>यभ्रम क्रिशःशास स्राप्तिस्थितं जिल्ला

गठेएएकए स्रिय लि<u>फ्स</u>॰॥

उह्रबर्ज पाठय, हण्छन्याधी हमदां उसा हम्मा हो स्वर्ज अहण्य प्राप्ति पायम जीवर्ग अप्याप अध्या १ अप्याप अध्याप स् . वस्त्रीयाहण्य करीय र है । विरुणामध्य र र किलाहम् स्थाप कर्मायाज्य महत्त्रीय र जिल्हर महत्त्रीय स्थाप स्थाप स ॥ डिभन्दर्गात हेता एक्योव्हार्ट्यम हर्द्वण विज्ञाण्य भागाण्य भाग १५ वर्ष पर्वे भिष्ठ TOOM THE WOODS T

प्पणिष्ठा देंग्रोणटेंष क्रज्ञात या दे प्राप्त संद्यायन संद्यायन क्राप्तायन क्राप्तायन क्राप्तायन क्राप्तायन क्राप्तायन स्वाप्तायन क्र

ट॰टी७ट॰डिइस हें भित्र एक जो जा है जिस्के हो है जिस्के हैं कि उन से अपने कि स्वाप्त के जिल्ला के जिल्ला के कि एक जो जा है जिल्ला के कि एक जो जा है जिल्ला के कि एक जो जा है जिल्ला के कि एक जिल्ला के जिल्ला क \mathfrak{D} \mathfrak{D} मऋती उपाधन का जाउन करेखा मधोरू दाधन प्रतास मधोरू एक <u>भण</u>ावांचा एक जाउन मधोर अभ्यावांचा प्रतास प्रतास का जाउन प्रतास मण दर्गञ्जर हमण होलाग हर्रर पारिस हराग्रस्त नहीम पाहर हर्हर होधम पार्थम महर्सम प्रालमण भीड<u>भत्</u>रञ्जाष्टि पाहर हर्हाष दर्गमम गर्माष मभम ॥भिष्ठभन्त ४७न्दर्बण ४स्त्र्वे १००५ रहभम एतिर्गण ४५५००० वाराविष्य एस्थन्तं व्याप्य भर्तिष्यवर्ट ८७भुगविष्य ५स्वर्त्रो १५५११ व्याप न्द्रीम रिभिन्नेक्षणणर्घ गोराज रिभेर्ट पारिन्द्र ॥१<u>५४</u>पार्यम रुणगणर गोराज दर्शन्त्र । सम्बर्ध सर्वार्टन पर प्राप्त स्वर्ध स्वर स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर ाज्यसङ्ख्य प्रताम ५३<u>००</u>० माजसङ्ख्य प्रताम ४७० माजसङ्ख्य िष्टभूषा स्थान स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त ा उटार हे पार्क पार्टी भारतम उदर्ग भाषां अध्या<u>क अध्याम अप्र</u>

न्डर ३००२४ १००२३ में अहम सहस्य १००२३ में सहस्य १००२४ में सहस्य १००२४ में सहस्य १००२४ में सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य